नगर निगम, आगरा

ई-न्यूज लैटर

जून, 2015

शहर की मार्ग प्रकाश व्यवस्था को एल.ई.डी. लाइट से प्रतिस्थापित करने का कार्य :- शहर में मार्ग प्रकाश व्यवस्था हेतु स्थापित लगभग 46000 प्रकाश बिन्दुओं पर जहाँ विभिन्न प्रकार की सोड़ियम लाइट एवं ट्यूब लाइट लगीं हुयीं हैं, उन पर विद्युत की खपत अधिक होने के साथ-साथ इनके रखरखाव पर भी काफी अधिक धनराशि व्यय करनी पड़ती है। नई विद्युत तकनीक के अन्तर्गत प्रकाश व्यवस्था हेतु नगर निगम हित में एल.ई.डी. लाइट लगाया जाना आवश्यक है। अतः इस दिशा में यह शहर के लिये अत्यन्त आवश्यक कदम है। एल.ई.डी. लाइट पर्यावरण के अनुकूल होती हैं तथा इनसे अल्ट्रा वॉयलेट किरणों का उत्सर्जन बहुत ही कम होता है। अतः इनके इस्तेमाल से पर्यावरण पर कोई विपरीत प्रभाव नही पड़ता है। इनकी डिजायन को स्थिति के अनुरूप ढ़ाला जा सकता है।

उक्त परिस्थितियों में शहर के विभिन्न स्थलों पर स्थापित सोड़ियम एवं ट्यूब लाइट बिन्दुओं के स्थान पर भारत सरकार द्वारा अनुमोदित अथवा अन्य निजी दक्ष संस्थाओं से निविदा आमंत्रित कर शहर में एल.ई.डी. लाइट लगाकर मार्ग प्रकाश व्यवस्था किये जाने का प्रस्ताव कार्यकारिणी के अनुमोदन के उपरान्त नगर निगम सदन द्वारा पारित कर दिया गया है तथा इस पर अग्रेतर कार्यवाही अमल में लायी जा रही है।

इन्दजीत आर्य
महापौर

इन्द विक्रम सिंह
नगर आयुक्त

In this issue:

- *Installation of LED streets lights.*
- *Fitting of GPS in waste carrying vehicles.*
- *Development works Avsthapana Vikas Nidhi*
- *AMC Work Appreciated Globally.*

नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन को वाहनों में जी.पी.एस. (ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम) लगाकर सुधार किये जाने का कार्य :- आगरा शहर में कूड़े का ट्रांसपोर्टेशन ट्रक, टिपर एवं ट्रैक्टर ट्रॉली के माध्यम से कराया जाता है। कूड़े के वाहनों में इस तरह की कोई व्यवस्था नही है, जिससे उनके संचालन की स्थिति के बारे में जानकारी हो सके यथा- वाहन किस स्थान पर है, किस रूट से गया है तथा कब तक पुनः वापस आयेगा इत्यादि। हाल ही में ग्रीन ट्रीबुनल में कूड़ा निस्तारण के सम्बन्ध में दायर रिट याचिका के दृष्टिगत भी वाहनों में ट्रैकिंग सिस्टम की व्यवस्था किया जाना अति आवश्यक प्रतीत हुआ। कूड़े के ट्रांसपोर्टेशन में संचालित वाहनों का अधिकतम क्षमता के साथ उपयोग किये जाने के दृष्टिगत उनके आवागमन की समुचित मॉनीटरिंग की जानी भी आवश्यक है। इस हेतु संचालित वाहनों में जी.पी.एस. स्थापित किया जाना कार्यकारिणी से अनुमोदनोपरान्त नगर निगम सदन द्वारा पारित किया गया। इसके क्रियान्वयन हेतु नगर निगम द्वारा कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गयी है। यह सिस्टम अन्य शहरों में भी प्रयोग में लाया गया है तथा इसके सकारात्मक परिणाम आये हैं।

अवस्थापना विकास निधि के अन्तर्गत विकास कार्यों की स्वीकृति :- मा. अध्यक्ष/आयुक्त, आगरा मण्डल, आगरा की अध्यक्षता में दिनांक 02.06.2015 को अवस्थापना निधि की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में प्रमुख रूप से श्री इन्द्रजीत आर्य, महापौर, आगरा, श्री प्रदीप भटनागर, अध्यक्ष/आयुक्त, आगरा मण्डल, आगरा, श्री पंकज कुमार, जिलाधिकारी, आगरा, श्रीमती मनीषा त्रिघाटिया, उपाध्यक्ष, आगरा विकास प्राधिकरण, आगरा, श्री इन्द्र विक्रम सिंह, नगर आयुक्त, नगर निगम, आगरा, श्री हिमाँशु मित्तल, अधीक्षण अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, आगरा एवं श्री सुरेश चन्द, मुख्य अभियन्ता, नगर निगम, आगरा आदि ने प्रतिभाग किया।

अवस्थापना विकास निधि के अन्तर्गत नगर निगम द्वारा प्रस्तुत कार्यों का जिलाधिकारी के माध्यम से मजिस्ट्रेटों से स्थलीय निरीक्षण कराये जाने उपरान्त स्थल पर कार्य कराये जाने का औचित्य पाये जाने पर 68 निर्माण कार्यों के प्रस्ताव समिति द्वारा स्वीकृत किये गये, जिनकी कुल लागत रू. 235739130.00 है।

उपरोक्त समस्त कार्यों पर समिति द्वारा चर्चा करने के उपरान्त स्वीकृति प्रदान की गयी।

यमुनापार स्थित गान्धी स्मारक की बाउण्ड्रीवाल तथा गेट का निर्माणः- यमुनापार एत्माद्दौला स्मारक के निकट गान्धी स्मारक स्थित है। यह स्मारक ऐतहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। गान्धी स्मारक की बाउण्ड्रीवाल जर्जर एवं जगह-जगह से ध्वस्त हो चुकी थी, जिसके कारण क्षेत्रीय लोग स्मारक के अन्दर जाकर गन्दगी फैलाते थे एवं स्मारक को नुकसान पहुंचाते थे। श्री प्रदीप भटनागर, मण्डलायुक्त, आगरा मण्डल, आगरा द्वारा

उक्त स्थल का निरीक्षण किया गया एवं निर्देशित किया गया कि इस स्मारक की बाउण्ड्रीवाल की मरम्मत/पुर्ननिर्माण कराया जाये। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि किस क्षेत्र के लोगों के घरों में शौचालय न होने के कारण वह स्मारक परिसर तथा यमुना किनारे की ओर दीवार पर बैठकर शौच करते हैं। अतः इन लोगों के लिये यहाँ पर पूर्व निर्मित ध्वस्त शौचालय के स्थान पर 16 सीटेड़ शौचालय का निर्माण कराया जाये।

अतः निर्देशों के अनुपालन एवं जनहित में स्मारक की बाउण्ड्रीवाल तथा गेट का निर्माण कार्य कराया जा चुका है। तथा शौचालय के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। उक्त दोनों कार्यों को कराये जाने में रू. 19.95 लाख का व्यय होना सम्भावित है।

Agra Municipal Corporation Work Appreciated Globally

The Financial Times and International Finance Corporation (IFC) organized Transformational Business Conference 2015 in collaboration with Cities Alliance on 11th June 2015 at Inter Continental Park Lane, London. The Municipal Corporation of Agra and a nonprofit development organization Centre for Urban and Regional Excellence (CURE) had submitted a case study regarding the participatory slum upgrading activities including the infrastructure development and livelihood promotion. Total 191 entries were received from 167 organizations involving projects in 140 countries. The Agra case study was shortlisted for the final award ceremony. Total six entries were shortlisted from different countries under the category of *Excellence in City Transformation* including Agra from India. The formal invitation latter was received from the Financial Times and Cities Alliances for the participation of Shri Indra Vikram Singh, Municipal Commissioner, Agra in the conference and award ceremony. The Cities Alliances expressed its willingness to bear the cost of this visit.

In the final evaluation Agra work has been recognized as ***Highly Commended*** under the ***Excellence in City Transformation*** category. The Municipal Commissioner Shri Indra Vikram Singh shared the processes of implementation of slum upgrading activities in the city. The Judges comment was "In a very tight category, this city is tackling slums through an innovative model that differs radically from that used by the country's other cities."